उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ

माह अगस्त, 2019

राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों में उच्च शिक्षा का 9 दिवसीय प्रचार– प्रसार कार्यक्रम

उच्च शिक्षा को घर- घर तक, हर जन तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय के ''उच्च शिक्षा आपके द्वार'' अभियान के तहत जनसम्पर्क एवं प्रचार –प्रसार अनुभाग द्वारा माननीय कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी के निर्देशों के क्रम में 1 से 9 अगस्त, 2019 तक कुल 9 दिवसीय प्रचार–प्रसार कार्यक्रम रखा गया था। माननीय कुलपति प्रो0 ओ0 पी0 एस0 नेगी जी द्वारा विश्वविद्यालय से तीन- तीन सदस्यीय दो टीमें गठित की गई थीं। एक टीम कुमाऊं क्षेत्र में तथा दूसरी टीम गढ़वाल क्षेत्र के दूरस्थ क्षेत्रों के नये अध्ययन केन्द्रों, सार्वजनिक स्थलों तथा इण्टर कालेजों पर विश्वविद्यालय के प्रचार – प्रसार को लेकर गई थीं।

प्रचार – प्रसार कार्यक्रम मुख्यत: नये अध्ययन केन्द्रों खासकर राजकीय महाविद्यालयों में आयोजित किये गयें, महाविद्यालयों में वहां के संस्थागत छात्र- छात्राओं के साथ–साथ शिक्षक – शिक्षणेत्तर कार्मिकों को भी दूरस्थ शिक्षा पद्धति की परिभाषा, अर्थ, प्रणाली, लाभ, उपयोगों से अवगत कराया गया क्योंकि अब उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अधिकतर अध्ययन केन्द्र राजकीय महाविद्यालय हीं होगें। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की प्रवेश (ऑफ लाईन – ऑन लाईन) प्रक्रिया से लेकर सत्रीय कार्य, अध्ययन सामग्री, परीक्षा पद्धति और समय – समय पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली कार्यशालाओं के बारे में भी प्रचार – प्रसार टीमों द्वारा जानकारी दीं गई।

गढवाल क्षेत्र के नैनबाग, डामाटा, नौगांव, बडकोट, पुरोला, ब्रहमखाल, धरांसू, उत्तरकाशी, चम्बा, नई टिहरी, पौडी, भरसार, थैलीसैण, चौब्बटाखाल, नौगांखाल, सतपुली, पौखाल, गुमखाल, काण्डी, बिथाणी, यमकेश्वर आदि जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा **कुमाऊं क्षेत्र के** कोटाबाग, स्यात, नयागांव, कालाढुंगी, मंगोली के अलावा, अल्मोड़ा, रानीखेत, दन्या, सोमेश्वर, कौसानी, गरूड़, बागेश्रर, बेरीनाग, थल, डीडीहाट, नाचनी, तेजम, मुनस्यारी, मुवानी, पिथौरागढ़, झुलाघाट, लोहाघाट, चम्पावत, देवीधूरा, पाटी व धारी आदि क्षेत्रों में भी प्रचार किया।

विषेशकर राजकीय महाविद्यालय और नये अध्ययन केन्द्रों पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें बड़ी तादात पर छात्र- छात्राओं ने, शिक्षकों ने तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों व आम लोगों ने प्रतिभाग किया। गढवाल क्षेत्र की टीम में डॉ0 मदन मोहन जोशी, डॉ0 राकेश रयाल एवं श्री बालम दफोटी तथा कुमाऊं की टीम में राजेन्द्र सिंह क्वीरा, डा. कमल देवलाल, डा. श्याम कुंजवाल शामिल थे। प्रचार के दौरान अध्ययन केन्द्र समन्वयकों एवं मीडिया से जुड़े सभी स्थानीय प्रतिनिधियों का अपार सहयोग मिला।

अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान व राष्ट्रीय सहारा आदि कुछ स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरें संलग्न हैं। (संलग्नक-क)

प्रवेश

- विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2019–20 में प्रवेश हेतु दिनांक 1 जुलाई, 2019 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी।

- दिनांक 31/08/2019 को उपलब्ध आकड़ों के अनुसार अब तक कुल 57,987 प्रवेशार्थियों द्वारा प्रवेश लिया जा चुका है।

- उत्तराखण्ड के विभिन्न स्थानों में प्राकृतिक आपदा के रूप में भू-स्खलन, बाढ़, अतिवृष्टि के कारण सड़कें एवं सम्पर्क मार्ग टूटे हुए हैं और पहाड़ी क्षेत्रों में संचार व्यवस्था भी बाधित है, फलस्वरूप अभी तक विश्वविद्यालयों के परीक्षा परिणाम भी अधूरे घोषित हो पाये है। विषम भौगोलिक स्थिति वाले दूरदराज के विद्यार्थियों को बिजली एवं इन्टरनैट में व्यवधान आने के कारण प्रवेश लेने में अनेकों समस्यायें हुई जिसके कारण पहाड़ी क्षेत्रों के हजारों विद्यार्थी प्रवेश लेने से वंचित हो गये है, इस हेतु **माननीय मंत्री जी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश तिथि विस्तारित किये जाने हेतु पत्राचार किया जा रहा है।**
- बी0एड0 पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु दिनांक 16, 17 व 29 अगस्त को काउंसलिंग का आयोजन किया गया। एन0सी0टी0ई0 के सभी मानकों को पूरा करते हुए कुल 121 अभ्यर्थियों ने बी0एड0 पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया गया।

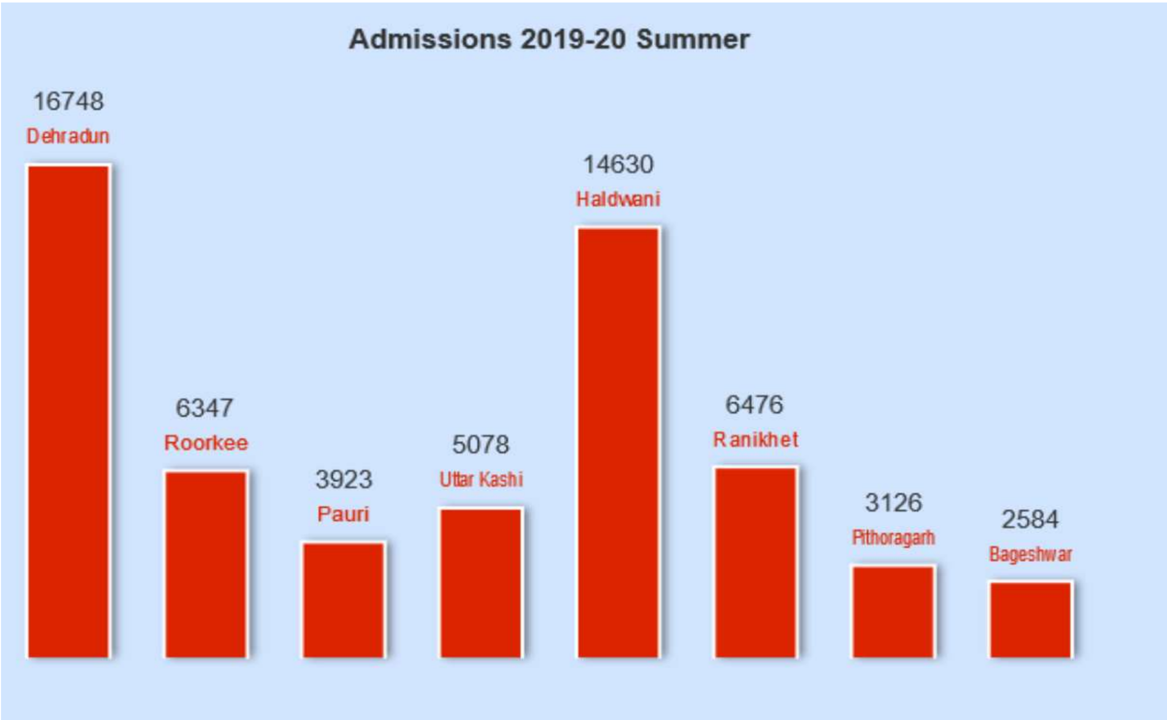

परीक्षा

- विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षा दिनांक 10 जून, 2019 से 5 जुलाई, 2019 तक सम्पन्न हुई परीक्षा से संबंधित कुल 58 परीक्षाफल घोषित किये जा चुके है। अन्य परीक्षाफल के स्कैंनिंग व टेबुलेशन का कार्य गतिमान है।
- अगस्त माह में ऑनलाईन व ऑफलाईन माध्यम से आवेदित 85 मूल उपाधियॉ एवं 120 अन्तरित उपाधि/अनापत्ति प्रमाण पत्र/सत्यापन वाहक/डाक के माध्यम से प्रेषित की गई।
- **विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की गई उपाधियों में से लगभग 7,103 उपाधियॉ सत्यापन** हेतु NAD **पोर्टल पर अपलोड की जा चुकी हैं।**

शोध एवं नवाचार

- शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधार्थी श्रीमती प्रमिला सुयाल, (नामांकन संख्या–13042620), की शोध ग्रन्थ प्रस्तुतीकरण हेतु पूर्व परीक्षा, शोध शीर्षक **"उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण हेतु प्रयुक्त शिक्षण विधियों का आलोचनात्मक अध्ययन"** के अर्न्तगत, दिनांक **13 अगस्त 2019** को निदेशक, मानविकी एवं शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा (कक्ष संख्या–210) में सम्पन्न करा ली गयी हैं।
- पीएच0डी0 प्रवेश परीक्षा– 2018, साक्षात्कार परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का परीक्षा परिणाम दिनांक **22 अगस्त 2019** को विश्वविद्यालय वेबसाइड में अपलोड कर दिया गया है।

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के शीतकालीन सत्र 2019–19 तथा सत्र 2019–20 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Book Distribution Status Current Session (2019-20 Summer)

Total Students	58197
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	31
12 Roorkee	16
14 Pauri	4
16 Haldwani	1647
17 Ranikhet	13
18 Pithoragarh	15
19 Bageshwar	11
Books Packed/Dispatched For	1737

Book Distribution Status Previous Session (2019-19-Winter)

Total Students	9656
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	2896
12 Roorkee	1394
14 Pauri	487
15 Uttar Kashi	410
16 Haldwani	1530
17 Ranikhet	518
18 Pithoragarh	239
19 Bageshwar	128
Books Packed/Dispatched For	7602

निदेशालय, क्षेत्रीय सेवायें

- विश्वविद्यालय द्वारा वर्तमान में कुल 112 अध्ययन केन्द्र संचालित है।
- विश्वविद्यालय द्वारा माह अगस्त 2019 में गठित समिति की स्थलीय निरीक्षण आख्या के आधार पर निजी शिक्षण संस्थानों में कुल 08 अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की गई है तथा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त वि0वि0 द्वारा माह अगस्त, 2019 में 03 राजकीय महाविद्यालयों में भी अध्ययन केन्द्रों की स्थापना की गई तथा समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया ।
- वि0वि0 द्वारा 01 राज्य सरकार द्वारा अनुदानित महाविद्यालय में अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई तदोपरान्त समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया।
- वि0वि0 द्वारा माह अगस्त, 2019 से विद्यार्थियों की सुविधा हेतु ओ0टी0पी0 के माध्यम से आनलाइन अध्ययन केन्द्र परिवर्तन की व्यवस्था भी लागू की गयी।

01– निजी शिक्षण संस्थान में स्थापित नवीन अध्ययन केन्द्रों का विवरण

क्रम संख्या	अध्ययन केन्द्र कोड	अध्ययन केन्द्र का नाम
01	12081	जाह्नवी आयुर्वेदा एवं योग केन्द्र, सप्तऋषि रोड, प्रेमविहार चौक, हरीपुर कलाँ, हरिद्वार
02	12083	ऋषियोग संस्थान, पूर्वी नाथ नगर, ज्वालापुर, हरिद्वार
03	12080	एच0ई0सी0 ग्रुप ऑफ इंस्टीटीयूट, लक्सर रोड, जगजीतपुर, हरिद्वार
04	12084	फेरूपुर डिग्री कालेज, फेरूपुर, जिला– हरिद्वार
05	12082	सीता राम डिग्री कालेज, रूडकी जिला हरिद्वार
06	11132	ऋषिकेश योग धाम संस्थान, तपोवन, ऋषिकेश (टि0ग0)
07	11131	उगते (यूनिवर्सल गैरोला टूरिज्म एंड एक्सीलेंसी,) नेपाली फार्म तिराहा, देहरादून रोड, खैरीखुर्द, श्यामपुर, ऋषिकेश
08	11133	इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट, 60 चकराता रोड, देहरादून

02– राजकीय महाविद्यालयों में स्थापित नवीन अध्ययन केन्द्रों का विवरण।

01	17070	राम सिंह धौनी राजकीय महाविद्यालय, जैंती, जिला अल्मोडा
02	11134	राजकीय महाविद्यालय, पावकी देवी, जिला टिहरी गढवाल
03	14050	राजकीय महाविद्यालय, चौबट्टाखाल, जिला– पौडी गढवाल

03– राज्य सरकार द्वारा अनुदानित महाविद्यालय में स्थापित नवीन अध्ययन केन्द्र का विवरण।

01	11135	महायोगी गुरू गोरखनाथ महाविद्यालय, बिथ्याणी (यमकेश्वर) जिला–पौडी गढवाल

SWAYAM

MHRD द्वारा संचालित एवं वित्त पोषित परियोजना SWAYAM के लिए Introduction to cyber security विषय पर MOOC के निर्माण हेतु डॉ.जीतेंद्र पाण्डे - सहायक प्राध्यापक (कंप्यूटर विज्ञान) को MHRD/IGNOU द्वारा 13.5 लाख(तेरह लाख पचास हजार रूपए मात्र) का अनुदान स्वीकृत हुआ, जिसके अंतर्गत

साइबर सिक्यूरिटी विषय में 20 घंटे के विडियो लेक्चर स्वअध्यन सामग्री विकसित की गयी| यह कोर्स दिनांक 01 जुलाई 2019 से SWAYAM प्लेटफार्म पर उपलब्ध है| **वर्तमान में करीब 50 देशों के लगभग 15800 छात्र इस कोर्स में पंजीकृत हैं|** 12 हफ्ते के इस कोर्स का अभी ११वां हफ्ता चल रहा है|

इस कोर्स की समाप्ति पर दिनांक 10 नवम्बर 2019 को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा ऑनलाइन परीक्षा करायी जाएगी तथा सफल प्रतिभागियों को MHRD एवं उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की ओर से मार्कशीट एवं 4 क्रेडिट के कोर्स को पूर्ण करने का सर्टिफिकेट जारी किया जायेगा| गौरतलब है की यह सर्टिफिकेट अपने विश्वविद्यालय पर जमा करने पर विद्यार्थी को क्रेडिट मोबिलिटी भी प्रदान की जायेगी|

<u>अगस्त माह में हैलो हल्द्वानी से प्रसारित चंद कार्यक्रम</u>

1- प्रोग्राम मुलाकात में उत्तराखंड के फोक पर काम करने वाले गौरव पांडे से बातचीत की गई। गौरव पांडे खुद भी गाता है और पुराने भूल बिसर चुके पहाड़ के लोकगीतों को नई धुनें देने का काम करता है। इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के भिन्न भिन्न इलाकों के लोक पर विस्तार से बात की गई है।

2- प्रोग्राम साहित्य से दोस्ती में जिन जिन साहित्याकारो की जन्म या पुण्य तिथि इस माह पड़ी उनके जीवन के बारे में फीचर तैयार किए गए। कहानीकार व उपन्यासकार भीष्म साहनी, हिंदी के पहले कवि चंदकुंवर बर्त्वाल व मनोहर श्याम जोशी के जीवन पर कार्यक्रम तैयार किए गए।

3- प्रोग्राम- बच्चों की दुनिया में एक नर्सरी की शिक्षिका से बातचीत की गई। मंजू मेहरा पिछले 35 सालों से हाईलेंडर पब्लिक स्कूल में नर्सरी के बच्चों को पढ़ा रही हैं काफी लोकप्रिय हैं पेरेंट्स के बीच व बच्चों के बीच। उनके 35 साल के शिक्षण के अनुभवों पर यह कार्यक्रम तैयार किया गया।

4- प्रोग्राम बात पहाड़ की में पहाड़ में आपदा के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की गई। बीएसएफ के सेवानिवृत कमांडेट मनोज तिवारी बीएसएफ से रिटायर्ड होने के बाद पहाड़ की आपदा पर कुछ काम शुरु कर रहे हैं। उनकी प्लानिंग पर और पहाड़ में आपदा की चुनौतियों पर इस कार्यक्रम में बातचीत की गई।

5- गीतकारों से रुबरू कार्यक्रम में हिंदी सिनेमा का बेहतरीन गीतकार व संगीतकारों के बारे में कार्यक्रम निर्माण किए जाते हैं। संगीतकार खय्याम के इंतकाल पर शहर के जाने माने फिल्म पत्रकार दीप भट्ट से ख्यायाम पर बातचीत की गई।

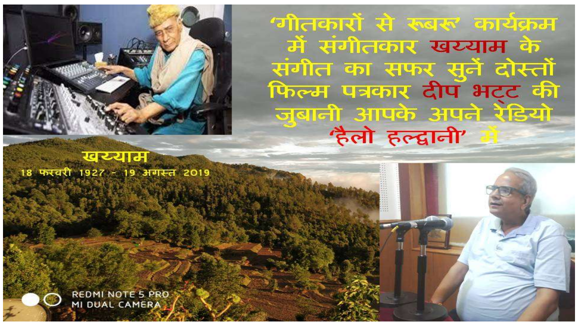

अन्य अकादमिक गतिविधियॉ

- दिनांक 20 अगस्त, 2019 को मा0 कुलपति जी द्वारा CEMCA द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की मान्यता से सम्बन्धित बिन्दुओं पर विचार–विमर्श हेतु मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपतियों की एक दिवसीय बैठक में प्रतिभाग किया गया।

- 15 अगस्त को देश के 73वें स्वतंन्त्रता दिवस समारोह के अवसर पर कुलपति द्वारा झण्डारोहण तथा संबोधन के उपरांत, कुलपतिजी सहित निदेशकों, शिक्षकों अधिकारियों व कार्मिकों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया गया।
- विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ़ कंप्यूटर साइंस एवं आईटी में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत डॉ. जीतेंद्र पाण्डे द्वारा दिनांक 1 से 3 अगस्त को Sukhothai Thamathirat Open University एवं UNESCO द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित International Conference on Distance Learning में प्रतिभाग किया गया| डॉ. पाण्डे द्वारा अपने शोध पत्र जिसका शीर्षक "Teacher's Attitude towards OER: A Comparative Study of Uttarakhand Open University, India and Sukhothai Thamathirat Open University, Thailand" है, प्रस्तुत किया गया|
- डॉ0 प्रीति बोरा, अकादमिक परामर्शदाता, गृह विज्ञान विभाग द्वारा गृह विज्ञान महाविद्यालय, जी0बी0 पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा 21-22 अगस्त, 2019 को "ग्रामीण विकास में सामुदायिक विज्ञान शिक्षा की भूमिका" पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "फल प्रसंस्करण: खाद्य सुरक्षा हेतु उत्तराखंड में निवेश करने योग्य संभावित परियोजना" पर शोध पत्र प्रस्तुतीकरण किया गया।

विश्वविद्यालय की अन्य गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है। (संलग्नक-ख)

****